Patrika (Indore), 18th September 2020, Page-5

'ग्लोबल टैलेंट को पहचान कर उन्हें मागर्दशन देने की जरूरत'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ आइआइटी इंदौर द्वारा ऑल आइआइटीज इंटरनेशनल कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इसमें फ्रांस, जर्मनी और रूस के साथ बाहरी सहयोग पर चर्चा की। इसकी शुरुआत बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमेन प्रो. दीपक बी. फाटक और निदेशक (कार्यवाहक) प्रो. नीलेश कुमार जैन के स्वागत भाषण से हुई। प्रो. फाटक ने बेहतर शोध आउटपुट के लिए अंतरराष्ट्रीय लिंकेज के महत्व पर जोर दिया। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के कारण संपूर्ण विश्व एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। मैं इस कॉन्क्लेव के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार में केंद्रित विकास देखना चाहूंगा। हम सभी को दुनियाभर में छिपे टैलेंट की पहचान कर उन्हें मार्गदर्शन देकर एक कैनवास पर लाने का प्रयास किया जाए।

डिप्टी कंसल्टेंट फॉर साइंटिफिकि एंड एकेडमिक कॉरपोरेशन फॉर वेस्ट बंगाल डॉ. ओलिवर फुदिम ने उच्च वाणिज्यिक दूतावास आइएफआइ ने वैज्ञानिक और शैक्षणिक सहयोग के लिए भारत में आइआइटी और फ्रेंच इंस्टिट्यूट के बीच सहयोग पर चर्चा की। डॉयचर एकेडेमीशर ऑस्टियोस डिएंस्ट, भारत के निदेशक डॉ. कत्जा लाच ने आइआइटी और डीएएडी के सहयोग पर बातचीत की।